



समाचार पत्र पंजीयन (कैप्रिय) कानून, 1956 आठवें नियम के अंतर्गत अंगकृत 'खबर मन्त्र' रांची नामक समाचार पत्र से संबंधित स्थानियत्व और अन्य बातों का व्यूह।

## प्रपत्र-4

1. प्रकाशन स्थल	: विरोदी, बोडेया रोड रांची, झारखण्ड 834009
2. प्रकाशन अवधि	: प्रतिदिन
3. मुद्रक का नाम	: मंजु सिंह
4. प्रकाशक का नाम	: वास्ते बृद्ध मीडिया, पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
क्या भारत का नागरिक हैं : हाँ	
पता : विरोदी, बोडेया रोड रांची, झारखण्ड	
5. संपादक	: मंजु सिंह, वास्ते बृद्ध मीडिया, पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
क्या भारतीय नागरिक हैं : हाँ	
पता : विरोदी, बोडेया रोड रांची, झारखण्ड	
6. उन व्यक्तियों के नाम	
व परे जो समाचार पत्र के स्थानीय होता तथा जो समाचार पूर्वी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों : XX	
में मंजु सिंह एवं द्वारा घोषित करती है कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।	

तारीख : 1 मार्च 2023

ह. मंजु सिंह  
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,  
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा

## अस्थायक सूचना

एतद द्वारा समाचार पत्र के माध्यम से दिनांक—24.02.2023 को समीक्षात्मक बैठक में लिए गए निर्णय के अलावा में कि उनके सामने आविष्ट पुल निर्माण कार्य को संबंधित नियोजनसभा के सुविधित किया जाता है वार-वार मीडिया एवं लिखित सूचना दिये जाने के बाबजूद भी आपितांगों के द्वारा कार्य को पूर्ण नहीं किया गया है और न ही पूर्ण करने की दिशा में कोई ठोस लकड़ी की जायेगी। उक्त परिस्थिति में इस सूचना के माध्यम से आपके द्वारा लिखे गये पुल निर्माण कार्य का अतिम मापी संबंधित कीर्तीयता के उपरिके रूप में अद्यतर कार्रवाई की जा सके। मापी के समान आपको या आपके द्वारा प्राप्तिक व्यक्ति को उपरिके रूप में अद्यतर कार्रवाई की जा सके।

क्र. सं.	पैकेज सं.	कार्य का नाम	संबंधित का नाम	अतिम मापी की विधि	अतिम मापी लेने वाले पदा. का नाम	समय
1.	JH-WB-CHA-BR-003A (JH02J B003A)	सिंहाकी लोड से पौरीतापाल पथ में पुल निर्माण का कार्य।	मेसर्सी सहाय कन्ट्रूक्शन, लोड मूल्हान, कोटे मोड, जिला-चतरा।	श्री नरेश प्रसाद सिंह, कर्नीय अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।	11.03.2023	बजे पूर्वाहन
2.	JH-02-TKE-B-5	L029 से बूद्ध्या टोला पथ के Local Nala at Ch-2.70 किमी पर पुल निर्माण का कार्य।	मेसर्सी काटी कन्ट्रूक्शन, काली मारिं लोड, जिला-चतरा।	श्री ओम प्रकाश गुप्ता, कर्नीय अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।	13.03.2023	बजे पूर्वाहन
3.	JH02T KE 154B	कोरांग से मेराल पथ के Ch-4.90 किमी पर पुल निर्माण का कार्य।	मेसर्सी मौ संलोधी कन्ट्रूक्शन, गिर्दर, जिला-चतरा।	श्री शिरेन्दु कुमार शर्मा, कर्नीय अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।	14.03.2023	बजे पूर्वाहन

कार्यपालक अभियन्ता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, चतरा।

PR 291393 Rural Work Department(22-23)D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,  
जलपथ प्रमण्डल, संरचना-१, सिंमडेंगा

पत्रांक - 75

## शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक-- 55 दिनांक 09.02.2023 द्वारा प्रकाशित e-Tender Reference No.- WRD/WWD NO.-1 SIMDEGA/01/2022-23 एवं PR NO. 289924 (Water Resource) 22-23 (D) में अपारिहार्य कानून वश आशिक संसाधन विद्या गया है जिसे निम्न प्रकार दाखिल किया जाता है-

1. Time of Bid Submission :- From 14.02.2023 to 10.03.2023 (5:00PM.)
2. Last Date and Time of Submission of Bid cost and EMD :- Date- 11.03.2023, Time- up to 5:00 PM.
3. Date of opening (Technical Bid) :- Date - 13.03.2023, Time 4:00 PM.
4. SBD के Page No. 19 (Terms & Conditions) के क्रमांक 11 – Rate quoted by the tenderer shall be treated as per direction of WRD letter No. 2/PMC/miss/195/2013- 430 dated- 19.11.2020 with annexure PWD/miss/06-33/2007 (part-1)-2146(s), Ranchi, dated-09.09.2020 and Memo No.-01/PMC/miss/321/2008-656 Ranchi, dated-22.12.2020 shall be applicable.
5. SBD के Page No. 24 Clause 4.5 A(c)–

SL. NO.	ITEM OF WORK	Minimum Quantity required as per Clause 4.5A(c) of SBD
1	Earthwork	37190.191 M <sup>3</sup>
2	Sand Filter (Lining)	16322.13 M <sup>2</sup>
3	PCC/RCC	1806.619 M <sup>3</sup>
4	Boulder Masonary	196.535 M <sup>3</sup>
5	Boulder Pitching	408.72 M <sup>3</sup>
6	Turfing	26.185 per 100M <sup>2</sup>

1.SBD के Page No. 37 क्रमांक-5-

SL. NO.	ITEM OF WORK	INVOLVE QUANTITY	Minimum Quantity required as per Clause 4.5A(c) of SBD
1	Earthwork	74380.382 M <sup>3</sup>	37190.191 M <sup>3</sup>
2	Sand Filter (Lining)	32644.26 M <sup>2</sup>	16322.13 M <sup>2</sup>
3	PCC/RCC	3613.239 M <sup>3</sup>	1806.619 M <sup>3</sup>
4	Boulder Masonary	393.07 M <sup>3</sup>	196.535 M <sup>3</sup>
5	Boulder Pitching	817.44 M <sup>3</sup>	408.72 M <sup>3</sup>
6	Turfing	52.37 per 100M <sup>2</sup>	26.185 per 100M <sup>2</sup>

आपितांग ई-निविदा में इस हद तक संबंधित समझा जाय।

शेष नियम एवं शारीर योगदान रहेंगे।

PR 291507 Water Resource(22-23).D

JHARKHAND STATE SPORTS PROMOTION SOCIETY  
(A CCL- State Govt. of Jharkhand Joint Initiative)  
C/o Mega Sports Complex, Khelgaon, Hotwar, Ranchi- 835217

Registration under Society Act No.519  
Registration under GST No. 20AACAC129  
OUR MISSION- OLYMPIC GOLD  
Contact no.:8987784136

Ref. No. JSSPS/CEO/Civil/e-tender/2022-23 / 368-77

Dated: 20.02.2023

## Notice Inviting Tender

NIT No.05 of 22-23

1. Tenders are invited online under single cover system on the website <https://jharkhandtenders.gov.in> from the eligible bidders having Digital Signature Certificate (DSC) issued from any agency authorized by Controller of Certifying Authority (CCA), Govt. of India and which can be traced up to the chain of trust to the Root Certificate of CCA, for the following work:

Description of work	Location	Estimated Cost of Work (Including GST) (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Period of Completion (In Days)
Repair and maintenance of water supply and sanitary fitting works for a period of 24 months at MSC, Hotwar, Ranchi	MSC, Hotwar, Ranchi	48,78,905.68	61,000.00	730 days

Note: The bid documents will be available on the website(s) [www.centralcoalfields.in/](http://www.centralcoalfields.in/) and [www.jharkhandtenders.in/](http://www.jharkhandtenders.in/) and can be downloaded by the bidder up to the bid submission end date. For Site visit of location of work, the prospective bidder(s) may contact Sri Nasir Towheed, Dy. Manager (C) JSSPS, Mobile no: -9771919385.

Tender inviting authority Contact Person(s)/Tender Dealing Officer(s)

GM(TA)/Member (Civil) JSSPS, Mobile no:9431392787 Dy. Manager (C) JSSPS, Mobile no:9771919385

## 2. Time Schedule of Tender:

Sl. No.	Particulars	Date	Time
a.	Tender e-Publication date	28.02.2023	18.00 Hours
b.	Document download start date	01.03.2023	15.00 Hours
c.	Document download end date	13.03.2023	15.00 Hours
d.	Bid Submission start date	01.03.2023	10.00 Hours
e.	Bid submission end date	13.03.2023	15.00 Hours
f.	Start date for seeking Clarification on-line	01.03.2023	10.00 Hours
g.	Last date for seeking Clarification on-line	08.03.2023	17.00 Hours
h.	Date of Pre-bid meeting (if any)	NA	NA
i.	Last date of receipt of EMD through DD / BC at the office of CEO, JSSPS, Ranchi	13.03.2023	15.00 Hours
j.	Bid opening date	14.03.2023	15.00 Hours

Sd on 20.02.2023  
GM (TA)/ Member (Civil) LMC, JSSPS

PR 291457 (Art Culture Sports and Youth Affairs) 22-23 (D)

&lt;p







## किसानों की बात

कि

सान परिवर्गों की संख्या लगभग 12 करोड़ है। सामान्यतः एक परिवर्ग में पांच सदस्य न्यूनतम भी हुए तो इनकी आवादी लगभग 60 करोड़ है। देश में केन्द्र और राज्य की सरकारें इन्हें किसानों के बदलत लाती हैं। कोरोना काल के विकास के बावजूद लगभग सभी उद्योग बंद कर दिये थे थे तब कृषि पर ही टिकी थी। ऐसे में किसान का खेल रखना, उनकी हितों की बात करना, उनको आमदानी दोगुनी करनेकी बात, विजली फ्री-पानी फ्री-फ्री की लंबी फेहरिस्त के साथ सरकारें समझे आ रही है। इससे सबसे अधिक राजनीति चमकाने का अवसर भी है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश में किसान और कृषि राजनीति के मध्य में स्थित रहे हैं। 2024 के चुनाव के पहले नौ राज्यों के विधान सभाओं में चुनाव हो रहे हैं। ऐसे में किसान के मुद्दे और सवालों की जाकर चर्चा होगी। किसान ने तो राजेश टिकेत का आंदोलन बिहार पहुंचा है कि केन्द्र पर दबाव के लिये यूपी और बिहार में राजनीतिक महाली और विरोध के स्वर को तेज करना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा के चुनाव के कारण जिस प्रकार केन्द्र ने अपने कृषि कानूनों को वापस लिया उससे यह संकेत साफ गया कि चुनाव जीतना किसी भी दल के एजेंटों में सबसे उपर है। वैसे बिहार की राजनीति में जातिवाद प्रभावी रहा है विकास मुद्दा बने इसका इतनाजार हो ही रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण सवाल है कि किसानों की आय को बढ़ाने के लिये जो कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं उसके बीच बड़ी विकास योजनाओं चाहे वे सँझके थे रोल अस्पताल हो या यूनिवर्सिटी या जीमीन की कीमत आसमान छू रही है और सरकार भी बाजार मूल्य से कम आय दे रही है। ऐसे में केन्द्र हो या राज्य सरकार की मंथा पर सवाल उठता है।

## लीथियम से उम्मीद

दा

वा किया जा रहा है कि कश्मीर में खोज पहली मर्तवा है, परंतु इससे पहले, 1990 के दशक में भी, कश्मीर में लीथियम उत्पादन के अर्थात् परिक्षण संकेत मिले थे और यह निष्कर्ष 800 से ज्यादा नमूनों के परिक्षण पर आधारित था, उस वक्त जीप्सआई का करना था कि इस सारी पट्टी में (जहां कहीं बॉक्साइट के उचड़े उच्च-पाश्वर दिखाई देते हैं) वहां पर उच्च-मूल्य लीथियम भी है और बॉक्साइट वाला यह परिदृश्य रियासी जिले के सलाल-रनसूह क्षेत्र में सबसे अधिक है। इससे विभाग को लगा कि इस इलाके में लीथियम होने की हांकानी संभवान है। यह रिपोर्ट 1999 में तकलीफी बिहारी जीप्सआई का करना था और यह संकेत साफ गया कि इस इलाके में लीथियम होने की जीर्णानी की रही है। शहरों में जीमीन की कीमत आसमान छू रही है और सरकार भी बाजार मूल्य से कम आय दे रही है। ऐसे में केन्द्र हो या राज्य सरकार की मंथा पर सवाल उठता है।

इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि कोरोना महामारी की अकलीय मानवीय और अधिक आपदाओं के बीच विश्वक स्तर पर खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले वित वर्ष 2020-21 के दौरान देश से 41.25 अरब डॉलर मूल्य के कृषि एवं संबंध उत्पादों का नियांत किया गया। यह नियांत मूल्य वर्ष 2019-20 के 35.15 अरब डॉलर मूल्य की तुलना में 17.34 फीसदी ज्यादा है। चालू वित वर्ष 2021-22 में कृषि नियांत और अधिक उच्चाई के देखें तो पाते हैं कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि कोरोना महामारी की अकलीय मानवीय और अधिक आपदाओं के बीच विश्वक स्तर पर खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले वित वर्ष 2020-21 के दौरान देश से 41.25 अरब डॉलर मूल्य के कृषि एवं संबंध उत्पादों का नियांत किया गया। यह नियांत मूल्य वर्ष 2019-20 के 35.15 अरब डॉलर मूल्य की तुलना में 17.34 फीसदी ज्यादा है। चालू वित वर्ष 2021-22 में कृषि नियांत और अधिक उच्चाई के देखें तो पाते हैं कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।

यह बढ़े तो यह बढ़ता है कि दुनिया के कई खाद्य नियांतक देशों में खराब मौसम के चलते फसलों को नुकसान पहुंचा है और खाद्यान के वैश्विक बाजार में कृषि जिसां की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसे में भारत से अधिक कृषि नियांत बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने का मौका है।













